

7/5/18

पत्रावली राजस्व लोक अज्ञानत केंद्र
 कोर्ट सुडॉरी में फरस हुई। पक्षकारण
 उपर। वकील गतिवती द्वारा प्रस्तुत
 प्रार्थना 7 निषत ॥ को सुना जाया
 प्रार्थी स्वयं ने स्वीकार किया कि
 मेरे द्वारा प्रार्थी। पत्र की मूल्य
 उपरान्त प्रार्थना पत्र पेश किया जाया
 जो जलहट। मूल पत्र में प्रार्थना
 7 निषत ॥ स्वीकार किया जाया दाना
 स्वार्थिन किया जा चुका है। कि अब इस
 प्रार्थना पत्र के चलते को कोई प्रार्थी को शेष
 नहीं रह जाय है। अतः प्रार्थना पत्र
 जाया है। पत्रावली फैलल हुआ है।
 स्वार्थिन किया

दल नम्य है कम है।
 MAD'1800 3/5/18